दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 42 | पंचकूला। वीरवार, 19 मार्च 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

सुविचार

नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा आपको और आपके परिवार को शक्ति, सुख, और समृद्धि प्रदान करें।

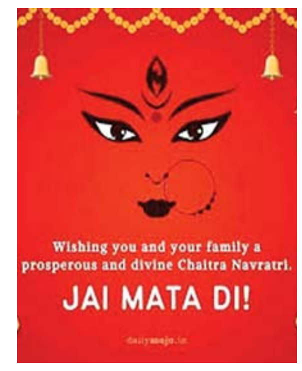

नवरात्रि के पहले दिन (प्रतिपदा) का रंग आमतौर पर सफेद माना जाता है, जो पवित्रता, शांति और ऊर्जा का प्रतीक है। इस दिन माँ दुर्गा के प्रथम स्वरूप माँ शैलपुत्री की पूजा की जाती है और सफेद वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। कुछ मान्यताओं में पहले दिन के लिए पीला या नारंगी रंग भी बताया गया है।

एक नजर

माता मनसा देवी परिसर में विशाल पंडाल तैयार

पंचकूला। माता मनसा देवी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक विशाल पंडाल लगाया गया है। इस पहल से दूर-दराज से आने वाले भक्तों को ठहरने और विश्राम की बेहतर व्यवस्था मिल सकेगी। माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड और माता मनसा देवी सेवा ट्रस्ट की ओर से यह विशेष व्यवस्था की गई है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि हर वर्ष नवरात्रि के दौरान लाखों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं, ऐसे में उनके आराम और रात्रि विश्राम की सुविधा सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। ट्रस्ट के राजीव गुप्ता एवं महासचिव रमन सिंगला ने सभी श्रद्धालुओं को चैत्र नवरात्रि एवं नववर्ष विक्रम संवत 2083 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राजीव गुप्ता ने कहा कि ट्रस्ट भविष्य में भी भक्तों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ऐसे प्रयास लगातार करता रहेगा। इस अवसर पर ट्रस्ट के संदीप गुप्ता, सचिन गोयल, रमन सिंगला, दिनेश गुप्ता, कुलदीप गुप्ता, हरीश गर्ग, विपुल मित्तल, कुलभूषण जिंदल, मनी जिंदल सहित अन्य ट्रस्टीगण भी उपस्थित रहे।

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 की मौत

नई दिल्ली। पालम स्थित साध नगर में एक रिहायशी 4 मंजिला बिल्डिंग में बुधवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। 2 लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के कर्मियों ने 10 लोगों का रेस्क्यू किया है। इनमें 3 लोग घायल हैं। करीब 30 फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

पंचकूला में नवरात्र मेले को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने माता मनसा देवी मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

850 पुलिसकर्मी व 4 एसीपी संभालेंगे सुरक्षा की कमान

- **श्रद्धालुओ के साथ शालीनता से पेश आए पुलिसकर्मी, जरुरत पड़े तो करे मदद- डीसीपी सृष्टि गुप्ता**
- **दूरबीन, बॉडी कैमरा और सीसीटीवी कैमरों की मदद से पूरे परिसर पर होगी पुलिस की निगरानी**

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 18 मार्च। 19 से 27 मार्च तक नवरात्र के दौरान पंचकूला में माता मनसा देवी मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों के सफल और सुरक्षित आयोजन के लिए पंचकूला पुलिस प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

इसी क्रम में आज डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने माता मनसा देवी मंदिर परिसर का दौरान कर अधिकारियों व कर्मचारियों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए साथ ही मेला स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि माता मनसा देवी मंदिर में नवरात्र मेला के दौरान पंचकूला सहित अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। इस कारण पुलिस का प्रयास रहेगा कि सुरक्षा व्यवस्था में कोई भी चूक न हो और न ही भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो। उन्होंने बताया कि मेले में करीब 850 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। 4 एसीपी स्तर के अधिकारी पूरे आयोजन पर निगरानी रखेंगे। जिसमें माता मनसा देवी मंदिर में सुरक्षा का जिम्मा एसीपी दिनेश संभालेंगे।

डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने ड्यूटी इंचार्ज अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं से शालीनता से पेश आए व नम्रतापूर्वक व्यवहार रखें और यदि किसी को मदद की आवश्यकता हो तो तुरंत सहायता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि यह पंचकूला पुलिस व बाहर से आए पुलिसकर्मियों के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें माता के मेले में सेवा का अवसर मिला है। डीसीपी ने आगे बताया कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस ने असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान सिविल कपड़ों में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेले के परिसर में अस्थाई नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किया गया है। इसके अलावा मेला परिसर और उसके आसपास 12 नाके लगाए गए हैं, जहां वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की गहन चेकिंग की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ईआरवी, पीसीआर और राइडर टीमें लगातार पेट्रोलिंग करेंगी। साथ ही दूरबीन, बॉडी कैमरा और सीसीटीवी कैमरों की मदद से पूरे परिसर की निगरानी की जाएगी। सभी क्राइम ब्रांच टीमें भी पूरी तरह से एक्टिव रहेंगी। डीसीपी के अनुसार न केवल माता मनसा देवी मंदिर बल्कि आसपास के प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे काली माता मंदिर कालका, माता शारदा मंदिर त्रिलोकपुर रायपुररानी, चण्डी माता मंदिर और माता समलोठा देवी मंदिर मोरनी पर भी पुलिस ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने आमजन से अपील की है कि मेले के दौरान पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। श्रद्धालु अपने वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें तथा अनावश्यक भीड़भाड़ या भगदड़ की स्थिति पैदा न होने दें। यदि किसी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न होती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

पंचकूला पुलिस कमिश्नर (एडीजीपी) शिवास कविराज ने कहा कि नवरात्र के पावन अवसर पर पंचकूला में आने वाले सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू दर्शन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस प्रशासन द्वारा हर स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि श्रद्धालु बिना किसी भय और असुविधा के माता के दर्शन कर सकें। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि वे प्रशासन का सहयोग करें, निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें।

भारी वाहनों पर लगा प्रतिबंध

नवरात्र पर्व के मद्देनजर कालका स्थित काली माता मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस सूरजपुर द्वारा व्यापक स्तर पर विशेष यातायात प्रबंधन योजना लागू की गई है। पर्व के दौरान भारी वाहनों की आवाजाही पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। रामबाग रोड से लेकर कालका मंदिर तक बड़े ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं अन्य भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए हैं।

स्ट्रीट वेंडर्स को किया जा रहा व्यवस्थित, बिना लाइसेंस पर होगी कार्रवाई

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। नगर निगम पंचकूला द्वारा शहर में स्ट्रीट वेंडर्स और मोबाइल वेंडर्स को व्यवस्थित करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। निगम प्रशासन का उद्देश्य शहर में फैली अव्यवस्था को खत्म कर वेंडर्स को निर्धारित स्थानों पर ही व्यापार करने के लिए प्रेरित करना है।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर में जगह-जगह खड़े होकर व्यापार करने वाले वेंडर्स को अब एक निश्चित स्थान पर खड़े रहकर ही अपना कार्य करना होगा। इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि वेंडर्स नियमों का पालन करें। जो वेंडर्स अव्यवस्था फैलाते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम ने इस कार्य की जिम्मेदारी जेपी

एंटरप्राइजेज को सौंपी है। अब केवल वही मोबाइल वेंडर्स शहर में कार्य कर सकेंगे, जिनके पास वैध लाइसेंस होगा। बिना लाइसेंस किसी भी वेंडर को शहर में घूमने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही, सभी वेंडर्स को नगर निगम द्वारा निर्धारित ड्रेस पहनना अनिवार्य होगा।

नगर निगम आयुक्त विनय कुमार के नेतृत्व में शहर की सफाई व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई वेंडर कूड़ा-कचरा इधर-उधर फेंकता है या नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ चालान किया जाएगा। बिना ड्रेस और बिना लाइसेंस के कार्य करते पाए जाने पर भी कार्रवाई तय है। संयुक्त आयुक्त गौरव चौहान ने शहर की विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशंस (आरडब्ल्यूए) और नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में घूम रहे वेंडर्स को पंजीकरण करवाने और निर्धारित ड्रेस पहनने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि सभी वेंडर्स का रिकॉर्ड नगर निगम के पास होना आवश्यक है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में उनसे पूछताछ की जा सके। नगर निगम ने साफ कर दिया है कि शहर में वेंडर्स को अब पूरी तरह व्यवस्थित और नियमों के तहत ही कार्य करना होगा, जिससे शहर की व्यवस्था और स्वच्छता बनी रहे।

बुलेट पर पटाखे बजाकर हुड़दंग मचाना पड़ा महंगा: 2 बुलेट इंपाउंड, दोनों का 33,000 का चालान भी काटा

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 18 मार्च। सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए पंचकूला ट्रैफिक पुलिस ने हुड़दंगबाजी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। बुलेट मोटरसाइकिलों पर पटाखों जैसी तेज आवाज निकालकर और बिना वैध दस्तावेजों के यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दो चालकों पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने उनकी दोनों बुलेट मोटरसाइकिलों को इंपाउंड कर दिया। साथ ही मौके पर ही कुल 33,000 के चालान भी काटे गए।

सिटी ट्रैफिक एसएचओ वरिन्द्र कुमार की अगुवाई में टीम ने पुराना पंचकूला क्षेत्र में औचक नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों की जांच की। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन

करते पाए गए दोनों बुलेट चालकों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करते हुए उनके वाहन जब्त कर लिए गए।

डीसीपी ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि सड़क पर हुड़दंगबाजी, बाइकों पर पटाखे जैसी आवाज निकालना, तेज रफ्तार से वाहन चलाना और स्टंट करना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आम जनता की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी है। ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करें और उन्हें सड़क पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने से रोकें। साथ ही सभी वाहन चालकों से आग्रह किया गया कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

बैठक

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 33,660 करोड़ रुपए की भव्य योजना को दी मंजूरी

देशभर में बनेंगे 100 औद्योगिक पार्क, पैदा होंगी लाखों नौकरियां

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली, 18 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य योजना) को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत 33,660 करोड़ रुपए की लागत से देशभर में 100 प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल पार्क बनाए जाएंगे, जिनका उद्देश्य आर्थिक विकास को तेज करना और रोजगार के अवसर बढ़ाना है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य विश्वस्तरीय औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है, जिससे देश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ेगी और भारत की आर्थिक वृद्धि को नई रफ्तार मिलेगी।

यह योजना नेशनल इंडस्ट्रियल

कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम (एनआईसीडीपी) के तहत बने इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी मॉडल की सफलता पर आधारित है, जिसे राज्यों और निजी क्षेत्र की भागीदारी से लागू किया जाएगा।

भव्य योजना में व्यापार करने में आसानी पर खास जोर दिया गया है। इसके तहत मंजूरी प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा, सिंगल विंडो सिस्टम लागू होगा और निवेशकों के लिए अनुकूल सुधार किए जाएंगे।

100 से 1,000 एकड़ तक होगा पार्क का आकार

योजना के तहत ऐसे इंडस्ट्रियल पार्क बनाए जाएंगे जहां उद्योगों को पहले से तैयार जमीन, जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और सभी सुविधाएं एक ही जगह मिलेंगी, जिससे कंपनियां जल्दी काम शुरू कर सकेंगी। इन इंडस्ट्रियल पार्क का आकार 100 से 1,000 एकड़ तक होगा। सरकार इनके विकास के लिए प्रति एकड़ 1 करोड़ रुपए तक की वित्तीय सहायता देगी। इसमें सड़कों, बिजली-पानी, ड्रेनेज, आईटी सिस्टम, फैक्ट्री शेड, वेयरहाउस और टेस्टिंग लैब जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। इसके अलावा, योजना के तहत वर्कर्स के लिए आवास और अन्य सामाजिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। बाहरी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भी परियोजना लागत का 25 प्रतिशत तक समर्थन दिया जाएगा, ताकि बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो सके। परियोजनाओं का चयन चैलेंज मोड के जरिए किया जाएगा, जिससे केवल बेहतर और निवेश के लिए तैयार प्रस्तावों को ही चुना जाएगा।इन इंडस्ट्रियल पार्क को भविष्य को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया जाएगा और इन्हें पीएम गतिशक्ति के सिद्धांतों के अनुसार विकसित किया जाएगा ताकि मल्टीमोडल कनेक्टिविटी और बेहतर लॉजिस्टिक्स सुविधा मिल सके।

घर चलाने वाली महिलाओं को अब देश चलाना चाहिए: सीएम भगवंत मान

महिला उद्यमियों को सम्मानित करते हुए महिलाओं को राजनीति में बड़ी भूमिका निभाने का आह्वान

■ कहा-डीसी से लेकर एसएसपी तक बड़े पदों पर सबसे अधिक महिला नियुक्तियां पंजाब के प्रशासन में बदलाव का संकेत

पंचकूला ऑब्जर्वर

मोहाली (एसएएस नगर), 18 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने महिलाओं के सशक्तिकरण को राज्य के समग्र विकास का आधार बताते हुए कहा कि जो महिलाएं घर को कुशलता से संभालती हैं, वे देश को भी बेहतर ढंग से चला सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से राजनीति और प्रशासन में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया, ताकि वे निर्णय लेने की प्रक्रिया में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

मोहाली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री ने जमीनी स्तर पर सफल महिला उद्यमियों को सम्मानित किया और कहा कि शिक्षा, आर्थिक अवसर और उचित प्रतिनिधित्व ही वास्तविक सशक्तिकरण की कुंजी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को हर स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि लड़कियों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज लड़कियां लगभग हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन राजनीति में उनकी भागीदारी अभी भी सीमित है। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे इस क्षेत्र में भी आगे आएं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि पंजाब में प्रशासनिक ढांचे में भी बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं को डिप्टी कमिश्नर और एसएसपी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है। यह न केवल महिलाओं की क्षमता का प्रमाण है, बल्कि एक प्रगतिशील समाज की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम भी है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें इतिहास और परंपरा से प्रेरणा लेनी चाहिए और हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो गरीबी और सामाजिक असमानता के चक्र को तोड़ सकता है। इसलिए राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए विशेष प्रयास कर रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल मुफ्त सुविधाएं या रियायतें ही समाज को आगे नहीं बढ़ा सकतीं, बल्कि इसके लिए शिक्षा और कौशल विकास आवश्यक हैं। महिलाओं को समय के साथ अपने कौशल को अपडेट करते रहना चाहिए ताकि वे बदलती दुनिया के साथ कदम मिला सकें। राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कई पहल की गई हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लाखों महिलाओं को जोड़ा गया है और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा स्टार्टअप परियोजनाओं के जरिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 'मांवां-धियां सत्कार योजना' के तहत महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता दी जाएगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इसके साथ ही 'मेरी रसोई' योजना के अंतर्गत लाखों परिवारों को राशन किट प्रदान की जाएंगी, जिससे घरेलू खर्च में राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है, जबकि स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। यह कदम महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें निर्णय लेने के अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी महिलाओं को ध्यान में रखते हुए कई योजनाएं लागू की गई हैं। मुफ्त बिजली, कैशलेस इलाज और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण जैसी सुविधाएं महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक हैं। इसके अलावा छात्राओं के लिए मुफ्त यात्रा सुविधा भी उनके लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी समाज का विकास महिलाओं के बिना अधूरा है। उन्होंने महिलाओं से आत्मनिर्भर बनने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने का आह्वान किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करती रहेगी।

जमीनी स्तर पर काम करने वाली महिलाओं का सम्मान करना उनके जीवन में बदलाव लाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा: मनीष सिसोदिया

कार्यक्रम के दौरान मनीष सिसोदिया ने भी महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि पहली बार सामान्य परिवारों की महिलाओं को इस तरह सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को प्रेरित करेगी और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

राजस्थान से 1.44 लाख करोड़ वसूलेगा पंजाब

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 18 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राजस्थान सरकार के पास दशकों से बिना भुगतान किए पानी के उपयोग के लिए 1.44 लाख करोड़ रुपये की वसूली का दावा पेश किया जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा कि राजस्थान को या तो पंजाब के जायज बकाए जारी करने चाहिए या पानी लेना बंद कर देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को संचालित करने वाले वर्ष 1920 के ऐतिहासिक समझौते की समीक्षा करने की मांग की। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷राजस्थान सरकार वर्ष 1960 से फिरोजपुर फीडर के जरिए निकाले गए पानी के लिए पंजाब को 1.44 लाख करोड़ रुपये की देनदार है, जिसके लिए एक पैसा भी अदा नहीं किया गया है। राजस्थान को या तो पंजाब का जायज बकाया जारी करना चाहिए या पानी लेना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि साल 1920 के दशक में बीकानेर रियासत, साझा पंजाब और ब्रिटिश राज के बीच हुए एक समझौते के अनुसार राजस्थान प्रति एकड़ के आधार पर पानी का भुगतान करने के लिए सहमत हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷साल 1960 तक भुगतान किए जाते थे, लेकिन सिंधु जल समझौते के बाद राजस्थान ने लगातार 18,000 क्यूसेक पानी लेने के बावजूद भुगतान करना बंद कर दिया।

पिछली सरकारों ने कभी समीक्षा नहीं की

राजस्थान के रुख में विरोधाभास का जिक्र करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज भी, राजस्थान 1920 के समझौते के तहत पानी ले रहा है, लेकिन जब बकाए के भुगतान की बात आती है तो यह 1960 के समझौते का सहारा ले लेता है। उन्होंने आगे कहा कि उस समय की सरकारों ने 1960 में नई व्यवस्था में शामिल होते समय भुगतान का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने 1920 के समझौते को भी कभी रद्द नहीं किया। इस मामले में पिछले समय की कार्रवाइयों पर गंभीर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि समझौते में स्पष्ट रूप से हर 25 साल बाद समीक्षा को अनिवार्य किया गया था, लेकिन पिछली सरकारों ने कभी भी इस मुद्दे को नहीं उठाया और न ही पंजाब के जायज दावे की पैरवी की। ऐतिहासिक संदर्भ को दोहराते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि वर्ष 1920 में ब्रिटिश राज के दौरान बीकानेर के साथ हुए एक समझौते के तहत 1960 तक पंजाब का 18,000 क्यूसेक पानी लगातार सप्लाई किया जाता रहा। हालांकि, सिंधु जल संधि के बाद इस समझौते का कोई जिक्र नहीं था। अगर हम 1960 से 2026 तक के बकाए का हिसाब लगाएं तो राजस्थान पंजाब का 1.44 लाख करोड़ बकाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने यह मुद्दा केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार, दोनों के पास उठाया है।卐 उन्होंने आगे कहा, 卐पंजाब सरकार ने राजस्थान सरकार को इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बैठक की मांग करने के लिए एक पत्र भी लिखा है।

पंजाब में संभावित आतंकी हमला टला दो ग्रेनेडों सहित दो व्यक्ति गिरफ्तार

■ सीमा पार की अवैध सप्लाई-चेन का हिस्सा थे बरामद किए गए ग्रेनेड: डीजीपी गौरव यादव

■ पुलिस टीमों ने अप्रिय घटना को किया नाकाम: अवनीत सिद्धू

पंचकूला ऑब्जर्वर

बठिंडा, 18 मार्च। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित प्रदेश बनाने के मद्देनजर चल रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता दर्ज करते हुए, काउंटर इंटेलिजेंस (सी.आई.) बठिंडा ने दो आरोपियों को दो हैंड ग्रेनेडों सहित गिरफ्तार करके संभावित आतंकी हमले को टाल दिया है। यह जानकारी निदेशक जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान बूटा सिंह उर्फ गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपू निवासी गिल्लवाली (फिरोजपुर) और हरमंदर सिंह उर्फ निक्का निवासी मोठांवाली (मोगा) के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बरामद किए गए ग्रेनेड सीमा पार की अवैध सप्लाई-चेन का हिस्सा थे, जिसका उद्देश्य सीमावर्ती प्रदेश में शांति और सुरक्षा भंग करना था। डीजीपी ने कहा कि आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने और इस मॉड्यूल में शामिल अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए आगे की जांच की जा रही है। ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए सहायक इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ए.आई.जी.) सी.आई. बठिंडा अवनीत कौर सिद्धू ने कहा कि पुलिस टीमों को विश्वसनीय स्रोतों से पुख्ता सूचना मिली थी कि आतंकी मॉड्यूल से जुड़े दो कार्यकर्ताओं ने हैंड ग्रेनेड प्राप्त किए हैं। इस पुख्ता सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए सी.आई. बठिंडा की पुलिस टीम ने मोगा-फिरोजपुर रोड से दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए।

ए.आई.जी. ने कहा कि काउंटर इंटेलिजेंस टीमों की सतर्क एवं सक्रिय कार्रवाई के कारण एक अप्रिय घटना को नाकाम कर दिया गया है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) फाजिल्का में विस्फोटक अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के तहत एफआईआर नंबर 06 दिनांक 17.03.2026 को मामला दर्ज किया गया है।

तरनतारन में व्यक्ति की हत्या: पत्नी घायल, लूट का विरोध करने किया हमला, बाइक सवार बदमाशों ने की वारदात

पंचकूला ऑब्जर्वर

तरनतारन, 18 मार्च। तरनतारन जिले में बदमाशों ने लूट के इरादे से बाइक सवार दंपती पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना गांव सरहाली के पास हुई।

जानकारी के अनुसार, दर्शन सिंह पुत्र सोहन सिंह अपनी पत्नी हरजिंदर का इलाज कराकर गांव सरहाली से लौट रहे थे। रास्ते में बाइक सवार लुटेरों ने पीछे से उन पर धारदार हमला कर दिया।

लुटेरों ने उनसे पर्स छीनने का प्रयास किया और उन पर हमला कर दिया। इस दौरान संतुलन बिगड़ने से बाइक गिर गई, और बदमाशों ने दंपती पर वार कर दिए। दर्शन सिंह और उनकी पत्नी हरजिंदर गंभीर रूप से घायल हो गए।

एसएसपी सुरेंद्र लांबा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस सत्यापन के बाद पता चला कि दर्शन सिंह की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। उनकी पत्नी हरजिंदर का इलाज चल रहा है।

एसएसपी लांबा ने बताया कि तरनतारन पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। जांच के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। एक डीएसपी की देखरेख में शहर की जांच के लिए 2 टीमें काम कर रही हैं।

एसपी (डी) तरनतारन रिपोतपन सिंह पूरे मामले की जांच कर रहे हैं, जिसमें डीएसपी सिटी और डीएसपी पट्टी उनकी सहायता कर रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

गैंगस्टरां ते वार का 57वां दिन: पंजाब पुलिस ने 541 स्थानों पर की छापेमारी; 179 गिरफ्तार

■ पुलिस टीमों ने 97 व्यक्तियों के खिलाफ की एहतियातन कार्रवाई, 59 को पूछताछ के बाद किया रिहा

■ लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के द्वारा गुप्त रूप से दे सकते हैं गैंगस्टरों के बारे में जानकारी

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 18 मार्च। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू किए गए निर्णायक अभियान 'गैंगस्टरां ते वार' के 57वें दिन पंजाब पुलिस ने राज्य भर में गैंगस्टरों के साथियों द्वारा पहचान किए गए और मैप किए गए 541 स्थानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक लड़ाई है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के पूर्ण समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्रवाई कर रही हैं। आज 57वें दिन पुलिस टीमों ने 179 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से तीन हथियार बरामद किए, जिसके साथ अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 15251 हो गई है।

इसके अलावा 97 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई है, जबकि 59 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 15 फरार अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के द्वारा गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं और अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों के बारे में भी सूचना/जानकारी साझा की जा सकती है।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपने अभियान 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 382वें दिन भी जारी रखते हुए आज 85 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 255 ग्राम हेरोइन, 3 किलो अफीम, 680 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 1400 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ केवल 382 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 54134 हो गई है। नशा छुड़ाऊ अभियान के हिस्से के रूप में पंजाब पुलिस ने आज 56 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए राज़ी किया है।

वन स्टॉप सेंटरों के माध्यम से 17,651 महिलाओं को नि:शुल्क सहायता: डॉ. बलजीत

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 18 मार्च। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा हिंसा और संकट का सामना कर रही महिलाओं के लिए सहायता प्रणाली को और मजबूत करने हेतु निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इन प्रयासों के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक राज्य भर में स्थापित वन स्टॉप सेंटरों के माध्यम से कुल 17,651 महिलाओं को निःशुल्क और समेकित सहायता प्रदान की गई है।

यह जानकारी देते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इन केंद्रों में संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही स्थान पर त्वरित और समन्वित सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इन सेवाओं में चिकित्सा सहायता, कानूनी सहायता, पुलिस सहायता, मानसिक परामर्श, अस्थायी आवास और भोजन जैसी आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं।

वर्षवार आंकड़े साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 3,592 महिलाओं को, 2023-24 में 3,633 महिलाओं को, 2024-25 में 5,305 महिलाओं को तथा 2025-26 में 5,121 महिलाओं को ये सेवाएं प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि यह लगातार बढ़ते आंकड़े सरकार की बढ़ती पहुंच और महिलाओं में बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा, 'ये केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि साहस, आत्मविश्वास और नई शुरुआत की जीवंत कहानियां हैं। जो महिलाएं कभी भय और अन्याय का सामना कर रही थीं, वे आज सम्मान और आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन को फिर से संवार रही हैं। वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए सुरक्षा, सहारा और सशक्तिकरण का मजबूत आधार बन चुके हैं।'

उन्होंने आगे बताया कि पंजाब के सभी जिलों में वन स्टॉप सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं, ताकि कोई भी जरूरतमंद महिला सहायता से वंचित न रहे। मंत्री ने अपील की कि प्रत्येक महिला को वूमेन हेल्पलाइन नंबर 181 (टोल-फ्री) की जानकारी अवश्य होनी चाहिए और इसका अधिक से अधिक प्रचार किया जाना चाहिए, ताकि संकट के समय तुरंत सहायता सुनिश्चित की जा सके।

खाली खजाना भरने के लिए अब किसानों की जमीन नीलाम करने की तैयारी में मान सरकार : सिद्धू

मोहाली, 18 मार्च। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने बुधवार को पंजाब सरकार द्वारा सहकारी बैंकों के माध्यम से कर्जदार किसानों की भूमि की नीलामी करने की खबरों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसकी तीव्र निंदा की।

उन्होंने कहा कि इस कदम ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की किसान विरोधी मानसिकता को उजागर कर दिया है, जो झूठे वादे करके सत्ता में आयी थी, लेकिन अब उन्हीं लोगों को निशाना बना रही है। सिद्धू ने कहा कि लैंड पूलिंग स्कीम को लागू करने में विफल रहने और पीएसपीसीएल एवं अन्य सरकारी संस्थाओं की जमीन बेचने की कोशिशों के बाद, अब भगवंत मान सरकार संघर्ष कर रहे किसानों की जमीन को दांव पर लगाकर अपना खाली खजाना भरने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि खुद को 'किसान का बेटा' कहने वाले मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के पहले दिन से ही बार-बार किसानों के हितों के खिलाफ काम किया है। सिद्धू ने तुलना करते हुए कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने किसानों को कर्ज माफी की राहत दी थी और संकट के समय उनका साथ दिया था, जबकि मान सरकार इसके ठीक उलट कर्ज में डूबे किसानों की जमीन नीलाम करने की ओर बढ़ रही है।

स्पीकर ने सिविल सेवा परीक्षा के सफल छात्रों को पंजाब विधानसभा में किया सम्मानित

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 18 मार्च। पंजाब विधान सभा के स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पंजाब विधानसभा में विशेष रूप से सम्मानित किया, जिन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करके पंजाब का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और संघर्ष की भरपूर सराहना करते हुए कहा कि ये नौजवान देश का भविष्य हैं और इनकी सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम के दौरान अमन अलूण, रसनीत कौर, मनप्रीत कौर, जयंत गर्ग और कृतिका चौधरी को सम्मानित किया गया और स्पीकर ने उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की।

विद्यार्थियों और अभिभावकों को बधाई देते हुए स्पीकर स. संधवां ने कहा कि सिविल सेवा प्रतियोगी परीक्षा पास करना एक बड़ी उपलब्धि है, जिसके लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह देते हुए कहा कि वे लोगों की सेवा में तत्परता से जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए हमेशा सच्चाई, ईमानदारी और न्याय को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि कलम और कुर्सी की ताकत यदि लोगों की भलाई के लिए प्रयोग किया जाए तभी समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने देश के सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पंजाब की बेटियों-बेटों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और जुनून से साबित कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत हों तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

पंजाब सरकार कृषि क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीक को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध: खुड्डियां

■ पंजाब राज्य खाद्य आयोग ने फूड प्रोसेसिंग और कृषि आधारित उद्योगों की संभावनाओं पर सेमिनार आयोजित

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 18 मार्च। पंजाब स्टेट फूड कमीशन द्वारा चेयरमैन श्री बाल मुकंद शर्मा की अगुवाई में एमजीएसआईपीए (MGSIPA), सेक्टर-26, चंडीगढ़ में फूड प्रोसेसिंग और कृषि आधारित उद्योगों की संभावनाओं पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार का आयोजन पंजाब स्टेट फूड कमीशन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में कनाडा के ओंटारियो प्रांत की एसोसिएट मिनिस्टर (स्मॉल बिज़नेस) सुश्री नीना टांगरी तथा पंजाब के कैबिनेट मंत्री (फूड प्रोसेसिंग, कृषि, पशुपालन एवं डेयरी विकास) गुरमीत सिंह खुड्डियां मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में सुश्री नीना टांगरी ने पंजाब के कृषि और फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र की अपार संभावनाओं की सराहना करते हुए कहा कि पंजाब और कनाडा के बीच कृषि, फूड प्रोसेसिंग तथा तकनीकी सहयोग को और अधिक मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान, तकनीक और निवेश के आदान-प्रदान से दोनों क्षेत्रों के किसानों और उद्योगों को बड़ा लाभ मिलेगा। वहीं गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि पंजाब सरकार कृषि क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक तकनीक और फूड प्रोसेसिंग उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि फूड प्रोसेसिंग के विस्तार से किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पंजाब के कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के नए अवसर भी मिलेंगे। इस अवसर पर चेयरमैन बाल मुकंद शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पंजाब में फूड प्रोसेसिंग सेक्टर को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है, जिससे कृषि उत्पादों की वैल्यू एडिशन बढ़ेगी और किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ मिलेगा। सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा किए। एन. एस. बराड़, चेयरमैन पग्रो फ्रोजन फूड्स, जो इस सेमिनार के प्रमुख वक्ताओं में से एक थे, ने फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में अपने प्रेरणादायक उद्यमी सफर को साझा किया। उन्होंने बताया कि पंजाब में उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों और फलों के उत्पादन की अपार क्षमता है।

पंजाब स्टेट फूड कमीशन की मेंबर सेक्रेटरी सुश्री कन्नू थिंद ने नीना टांगरी को पंजाब की पारंपरिक फुलकारी भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनके साथ उनके पति श्री अश्वनी टांगरी तथा सुदीप सिंगला भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

चंडीगढ़ में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर दो विधायकों ने दिया धरना

राज्यसभा चुनाव पर घमासान

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. हरियाणा में राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस विधायकों द्वारा क्रास वोटिंग करने तथा वोट रद्द होने को लेकर छिड़ा विवाद गहरा हो गया है। कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने बुधवार को वोट क्रास करने वाले चार विधायकों के नाम जारी किए वहीं वोट रद्द होने के आरोपों को झेल रहे दो विधायकों ने चंडीगढ़ में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर धरना दिया। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा ने धरना देने वाले दोनो विधायकों को वहां से उठाया।

बुधवार को बीके हरिप्रसाद ने नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस करके चार 'बागी' विधायकों नारायणगढ़ विधायक शैली चौधरी, सढ़ौरा विधायक रेणु बाला, पुन्हाना विधायक मोहम्मद इलियास व हथीन विधायक मोहम्मद इसराइल के नाम सार्वजनिक किए। हरिप्रसाद की ओर से चारों विधायकों के नाम हरियाणा की अनुशासन समिति के पास भी भेज दिए गए हैं। अनुशासनात्मक कार्यवाही समिति के चेयरमैन धर्मपाल सिंह मलिक ने चारों विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए हैं। इन चुनावों में कांग्रेस के पांच विधायकों ने क्रॉस वोट किया है, लेकिन पार्टी हाईकमान को पांचवें विधायक के विरूद्ध कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिसके चलते उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया गया। पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी लगातार यह कह रहे हैं कि पांच विधायकों ने क्रॉस वोट किया। कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने आरोप लगाए हैं कि चुनाव आयोग, भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए भाजपा ने साम-दाम-दंड भेद सहित सभी तरह के हथकंडे अपनाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के चार विधायकों के वोट भी गलत तरीके से रद्द किए गए। प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस के साथ दगा करने वाले विधायकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बुधवार को क्रॉस वोटिंग के खिलाफ कांग्रेस के ही दो विधायक अपनी ही पार्टी के खिलाफ धरने पर बैठ गए। चंडीगढ़ के सेक्टर-9 स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सिरसा विधायक गोकुल सेतिया ने धरना दिया। धरने पर कुछ देर बाद ही नांगल-चौधरी विधायक मंजू चौधरी भी पहुंच गई। गोकुल सेतिया ने कहा कि कांग्रेस को उन विधायकों के नाम पब्लिक करने चाहिएं, जिन्होंने पार्टी

को धोखा दिया और क्रॉस वोटिंग की। उन्होंने उन विधायकों के नाम भी सार्वजनिक करने की मांग उठाई, जिनके वोट रद्द हुए हैं। धरने पर बैठे विधायकों को उठाने के लिए पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने विधायकों को समझाया। इसी दौरान बीके हरिप्रसाद ने नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस करके चार विधायकों के नाम सार्वजनिक कर दिए। बाद में गोकुल सेतिया व मंजू चौधरी ने अपना धरना समाप्त कर दिया और वे विधानसभा पहुंचे। गोकुल सेतिया ने पार्टी के साथ गद्दारी करने वाले विधायकों को कांग्रेस से बाहर करने की मांग भी उठाई।

चुनाव में क्रॉस वोटिंग के मामले में कांग्रेस की अनुशासन समिति के चेयरमैन धर्मपाल सिंह मलिक ने सख्त रुख अपनाते हुए चारों विधायकों ङ्क शैली चौधरी, रेणु बाला, मोहम्मद इलियास व मोहम्मद इसराइल शो-कॉज नोटिस जारी कर दिए हैं। मलिक ने स्पष्ट कहा कि पार्टी लाइन के खिलाफ जाने, दगा करने और अनुशासन तोड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दो-टूक कहा कि सभी संबंधित विधायकों को जवाब देने का मौका दिया गया है, लेकिन आगे की कार्रवाई बेहद कड़ी होगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसा एक्शन लिया जाएगा कि भविष्य में कोई भी इस तरह की हरकत करने से पहले सौ बार सोचे।

निर्दलीय प्रत्याशी भाजपा का नहीं था: सीएम

चंडीगढ़. हरियाणा में राज्य सभा चुनाव के दौरान क्रास वोटिंग के मुद्दे पर बुधवार को लगातार दूसरे दिन विधानसभा में हंगामा हुआ। हंगामा इतना बढ़ा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बीच तीखी बहस हुई। सदन में बहस के बीच मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दावा किया कि राज्य सभा चुनाव लडने् वाला तीसरा विधायक भाजपा का नहीं था। इस मुद्दे पर सदन में 26 मिनट तक हंगामा चलता रहा।

बुधवार को विधानसभा में प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद गन्नौर से निर्दलीय विधायक देवेंद्र कादियान ने मंगलवार को हुए विवाद का हवाला देते हुए अपनी बात रखनी शुरू की। देवेंद्र कादियान ने कहा कि राज्य सभा चुनाव में सतीश नांदल को निर्दलीय विधायकों ने खड़ा किया था। देवेंद्र कादियान का विरोध करते हुए कांग्रेस के विधायक खड़े हो गए और उन्होंने स्पीकर द्वारा उन्हें सदन में बात रखने पर आपत्ति जताई। शोरगुल के बीच संसदीय कार्यमंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि लोकतंत्र के हनन का आरोप लगाने वाली कांग्रेस बताए कि वर्ष 2009 में हुड्डा

सरकार के गठन के लिए हजकां को तोड़ा गया और सरकार बनाई गई। भाजपा पर आरोप लगाने की बजाए कांग्रेस अपने विधायकों को संभाले। पूर्व स्पीकर रघुबीर कादियान ने स्पीकर हरविंद्र कल्याण को कहा कि उन्हें मंगलवार को बोलने नहीं दिया और आज चर्चा हो रही है। हंगामा बढ़ते देख मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मोर्चा संभाला और कहा कि सतीश नांदल भाजपा के प्रत्याशी है। भाजपा ने संजय भाटिया को चुनाव मैदान में उतारा था और वह जीत गए थे। सतीश नांदल ने निर्दलीय होने के नाते भाजपा और कांग्रेस विधायकों से समर्थन मांगा। विधायकों ने उन्हें वोट दिया। इसके बावजूद गीता भुक्कल ने भाजपा पर विधायकों को खरीदने के आरोप लगाकर लोकतंत्र का मजाक बनाया है। सीएम ने कहा कि लोकतंत्र को अपमानित करने के लिए कांग्रेस विधायकों को माफी मांगनी चाहिए।

इस हंगामें में कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा ने वर्ष 2009 में हुए चुनाव के दौरान इनेलो द्वारा रणबीर गंगवा तथा उसके बाद राम कुमार कश्यप को राज्य सभा प्रत्याशी बनाने की घटनाओं को सदन में रखा। इस मुद्दे पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा तथा अशोक अरोड़ा के बीच भी बहस हुई।

करीब 26 मिनट तक कांग्रेस तथा भाजपा विधायकों के बीच चली तीखी बहस के बाद स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए विधानसभा कार्य संचालन नियमावली का हवाला देते हुए कहा कि राज्य सभा चुनाव उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आते हैं। यह विषय सदन के बाहर का है। ऐसे में इस बारे में सदन में चर्चा नहीं हो सकती। स्पीकर ने सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए इस विवाद को शांत किया।

झज्जर के बादली में स्कूलों की जर्जर हालत पर मंत्री-विधायक आमने-सामने

हरियाणा विधानसभा में बुधवार को झज्जर जिले के बादली में सरकारी स्कूलों के मुद्दे पर विधायक कुलदीप वत्स तथा शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा आमने-सामने हो गए। दोनों ने तस्वीरों के माध्यम से एक-दूसरे के दावों को झुठलाया। इस मुद्दे पर सदन की संयुक्त समिति बनाने की मांग भी उठी लेकिन मामला दब गया। विधानसभा में बादली के विधायक कुलदीप वत्स ने गांव तुंबाहेड़ी, सुबाना, डावला, कासनी, दादनपुर, खूंगाई, पेलपा तथा मुंडाखेड़ा गांवों में चल रहे राजकीय विद्यालय के भवन जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। कुलदीप वत्स ने विधानसभा में उक्त स्कूलों की खस्ताहाल इमारतों की तस्वीरें लहराई। कुलदीप वत्स के सवाल के जवाब में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि उक्त सभी गांवों की इमारतें पूरी तरह से ठीक हैं। महीपाल ढांडा ने कुलदीप वत्स के दावों को खारिज करते हुए सदन में दूसरी तस्वीरें दिखाते हुए कहा कि विधायक के पास पुरानी तस्वीरें हैं। वर्तमान में सभी स्कूलों की इमारतें ठीक हालत में है। मंत्री के इस दावे पर विधायक ने आपत्ति जताई। इसे लेकर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा भी किया। शिक्षा मंत्री महीपाल ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश के सभी स्कूलों की मैपिंग करवाई जा रही है। कुलदीप वत्स ने अपने दावों को सही करार देते हुए कहा कि अधिकारियों की तरफ से गलत रिपोर्ट दी गई है। कुलदीप वत्स ने स्पीकर के समक्ष स्कूलों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए सदन की संयुक्त समिति बनाने की मांग भी उठाई।

हरियाणा सरकार का दावा, पांच दिन में सप्लाई किए सवा दो लाख सिलेंडर

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने कहा है कि राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है। नागर ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य भर में आयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा पिछले पांच दिनों में 14.2 किलो के कुल दो लाख 26 हजार 162 घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई की गई है। इस समय राज्य भर में बॉटलिंग प्लांट्स पर एलपीजी गैस सिलेंडर की कुल भंडार संख्या 11 लाख 39 हजार 787 है। उन्होंने बताया कि राज्य भर में पिछले तीस दिनों में 19 किलो के कुल 1422 कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई की गई है। इस समय राज्य भर में बॉटलिंग प्लांट्स पर कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कुल भंडार संख्या एक लाख 90 हजार 88 है। राज्यमंत्री नागर ने कहा कि वर्तमान में हरियाणा राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रूप से चल रही है। प्रमुख तेल कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। राज्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य स्तर पर मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित किया है, जिसमें 5,000 से अधिक वितरक शामिल हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन लाखों सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं।

विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन पांच विधेयक पारित

शहरी क्षेत्रों में अब जमीन की अदला-बदली के लिए भी सरकार से मंजूरी लेनी पड़ेगी। राज्य और जिला पुलिस शिकायत प्राधिकरण अदालत या किसी आयोग के समक्ष विचाराधीन मामलों की सुनवाई नहीं कर सकेंगे। हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के अंतिम दिन बुधवार को पांच विधेयक पारित कर दिए गए। इनमें हरियाणा विनियोग (संख्या 2) विधेयक 2026, हरियाणा पुलिस (संशोधन) विधेयक 2026, हरियाणा राजकोषीय उत्तरदायित्व तथा बजट प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2026, हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (संशोधन) विधेयक 2026 और हरियाणा परियोजना भूमि समेकन (विशेष उपबंध) संशोधन विधेयक 2026 शामिल हैं। हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (संशोधन) अधिनियम के तहत शहरों से लगते अधिसूचित क्षेत्रों में अवैध कालोनियों पर अंकुश लगाने और सस्ती जमीन देकर महंगी जमीन लेने का फर्जीवाड़ा खत्म करने के लिए धारा 7-ए में संशोधन किया गया है। नए कानून से एक एकड़ से कम भूमि को बदलने के लिए भी नगर एवं ग्राम नियोजन निदेशक या सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लेनी होगी। संशोधित कानून 30 जनवरी से लागू होगा। हरियाणा पुलिस (संशोधन) विधेयक के माध्यम से स्पष्ट किया गया है कि राज्य और जिला पुलिस शिकायत प्राधिकरण अदालत या किसी आयोग के समक्ष विचाराधीन मामलों की सुनवाई नहीं कर सकेंगे। प्राधिकरण को किसी भी शिकायत के छह महीने के अंदर कार्रवाई पूरी करना अनिवार्य रहेगा।

एक नजर

सशस्त्र चंडी महायज्ञ का आयोजन आज से

लाडवा. लाडवा-रादौर मार्ग पर स्थित माता शाकुम्भरी देवी मंदिर में आज से शुरू होने वाले सशस्त्र चंडी पूजन व महायज्ञ को लेकर मंदिर परिसर में गृह-नक्षत्रों के अनुसार हवन कुंड बनाए जा रहे है। इस महायज्ञ को लेकर मंदिर सेवा समिति द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह जानकारी समिति के प्रधान नरेश गर्ग ने बुधवार को मंदिर में दी। उन्होंने मंदिर में गृह-नक्षत्रों के अनुसार बनाए जा रहे हवन कुंड भी दिखाएं। उन्होंने बताया कि मंदिर में 19 मार्च से 26 मार्च तक सशस्त्र चंडी पूजन व महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 11 बजे तक यजमान हवन यज्ञ में आहुतियां डालेंगे। 31 विद्वान पंडितों के सानिध्य में प्रतिदिन विधि-विधान से हवन यज्ञ संपन्न करवाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य यजमानों द्वारा मां भगवती के पूजन से होगी, जिसके बाद सभी श्रद्धालु एक साथ बैठकर ब्राह्मणों के मार्गदर्शन में यज्ञ में भाग लेंगे। मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है। पूरे पंडाल को वाटरप्रूफ बनाया गया है, ताकि मौसम की किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। इस मौके पर उनके साथ हरबिलास गर्ग, सतप्रकाश शर्मा, भगवान दास अरोड़ा, संदीप गोयल, सुमित गर्ग, विशाल गर्ग, अमन गर्ग भी मौजूद थे।

एसडीएम ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का किया औचक निरीक्षण

टोहाना. एसडीएम आकाश शर्मा ने सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी, टोहाना के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय की समग्र कार्यप्रणाली, कर्मचारियों की उपस्थिति, रिकॉर्ड प्रबंधन व्यवस्था तथा विभिन्न कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग जनहित से सीधे जुड़ा एक महत्वपूर्ण विभाग है, जिसकी भूमिका आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में अहम है। ऐसे में विभागीय कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार एवं जिम्मेदारी पूर्ण दृष्टिकोण अपेक्षित है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित रहने, कार्यालय में आने वाले नागरिकों के साथ सभ्य एवं विनम्र व्यवहार बनाए रखने तथा सभी कार्यों को बिना अनावश्यक विलंब के समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को बेहतर अनुभव और त्वरित सेवाएं प्राप्त हो सकें। एसडीएम ने कार्यालय व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, रिकॉर्ड प्रबंधन को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने तथा सेवा वितरण को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही कार्यालय परिसर में निरंतर स्वच्छता बनाए रखने, अभिलेखों को समय-समय पर अपडेट कर सुव्यवस्थित रखने तथा नियमानुसार अनुपयोगी/कंडम सामग्री के निस्तारण की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश भी प्रदान किए गए।

पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मनोहर परिकर की पुण्यतिथि मनाई

रादौर. गांव मंधार में बुधवार को देश के पूर्व रक्षा मंत्री व गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मनोहर परिकर की 7वीं पुण्यतिथि मनाई गई। गुरुकुल कुरूक्षेत्र के वाइस चेयरमैन मास्टर सतपाल कांबोज मंधार के नेतृत्व में पूर्व रक्षा मंत्री स्वं मनोहर लाल परिकर को श्रद्धा सुमन भेंट किए गए। इस अवसर पर मास्टर सतपाल कांबोज ने कहा कि देश के पूर्व रक्षा मंत्री रहे मनोहर परिकर एक ईमानदार नेता थे। जिनकी मिसाल पुरे देश में दी जाती थी। उन्होंने एक सादा जीवन जीया। वह दूसरों के लिए एक प्रेरणा थे। सादगी व ईमानदारी से उन्होंने राजनीति की। उनकी गिनती देश के सबसे बेहतर राजनेताओं में होती है। वह एक त्याग की मूर्ति थे। वह दूसरे नेताओं के लिए एक उदाहरण थे। उन्होंने जीवनभर ईमानदारी से अपने कर्तव्य का निर्वाह किया। देश को ऐसे नेता पर हमेशा गर्व रहेगा।

कांग्रेस के गद्दारों के नाम जल्द होंगे सार्वजनिक: दीपेंद्र हुड्डा

पंचकूला ऑब्जर्वर

करनाल. करनाल जिला के इंद्री में आयोजित जनसभा में पहुंचे कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव में अनैतिक तरीकों का इस्तेमाल किया गया और कांग्रेस के विधायकों को प्रभावित करने की कोशिश हुई। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने क्रॉस वोटिंग, खरीद-फरोख्त और दबाव की राजनीति को लेकर खुलकर बयान दिया और कहा कि जल्द ही सभी सच्चाई सामने आएगी। क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों पर कार्रवाई की बात दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस के पांच ऐसे विधायक सामने आए हैं जिन्होंने क्रॉस वोटिंग की है। उनके नाम और पूरी रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे सभी नाम सार्वजनिक किए जाएंगे और पार्टी स्तर पर कार्रवाई भी होगी। इस अवसर पर लहरी सिंह, राकेश काम्बोज, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव रमेश सैनी, सुरजीत सैनी, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पराग गाबा आदि मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने कांग्रेस उम्मीदवार कर्मवीर बौद्ध को हराने के लिए बड़ी साजिश रची। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार से आने वाले उम्मीदवार को रोकने के लिए सत्ता का दुरुपयोग किया गया और लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश हुई ।साम, दाम, दंड, भेद का किया इस्तेमाल दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में हर तरीका अपनाया गया। उनके अनुसार शायद ही कोई विधायक बचा होगा जिसके पास भाजपा की ओर से कॉल न गई हो। बड़े नेताओं द्वारा विधायकों को ऑफर दिए गए, खरीद-

फरोख्त की कोशिश हुई और जहां बात नहीं बनी वहां दबाव और धमकियां दी गईं। उन्होंने कहा कि जिन विधायकों पर पहले से केस दर्ज हैं, उन पर ज्यादा दबाव बनाया गया। इसके बावजूद जब बात नहीं बनी तो धक्का-मुक्की जैसे हालात भी बने। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। परमवीर की वोट को बताया वैध दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि परमवीर की वोट को गलत तरीके से इनवैलिड कर दिया गया, जबकि वह पूरी तरह वैध थी। उन्होंने मांग की कि उस वोट का वीडियो प्रदेश की जनता को दिखाया जाना चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में जिस तरह वोटों में गड़बड़ी की कोशिश हुई थी, उसी तरह यहां भी विधायकों की वोट को प्रभावित करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद जीत सच और ईमानदारी की हुई है। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि तमाम दबाव और ताकतों के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार कर्मवीर बौद्ध जीत हासिल की और दिल्ली जाकर राज्यसभा में शपथ लेंगे। उन्होंने इसे सच्चाई और लोकतंत्र की जीत बताया। गद्दारी करने वालों को जनता देगी जवाब उन्होंने कहा कि जिन विधायकों ने पार्टी के साथ गद्दारी की है, उन्हें जनता जवाब देगी। वहीं जो विधायक कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े रहे, उनका सम्मान भी जनता द्वारा किया जाना चाहिए। रामचंद्र गुर्जर के इस्तीफे पर बोले रामचंद्र गुर्जर के इस्तीफे के सवाल पर दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि उन्होंने पार्टी कार्रवाई से पहले ही इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह भी कहा कि नारायणगढ़ से विधायक शैली ने भी क्रॉस वोट किया है। ऐसे सभी लोगों को खुद आगे आकर इस्तीफा देना चाहिए। जिन्होंने पार्टी के साथ गद्दारी की है उनको इस्तीफा दे देना चाहिए।इनेलो पर भी साधा निशाना दीपेंद्र हुड्डा ने इनेलो पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा ने एक सप्ताह पहले ही इनेलो को साफ कहा था कि अगर वे भाजपा और कांग्रेस दोनों के खिलाफ हैं तो सार्वजनिक रूप से घोषणा करें कि वे वोट नहीं डालेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इनेलो ने बार-बार प्रेस कांफ्रेंस का समय बदला। पहले अगले दिन, फिर वोटिंग के दिन 12 बजे, फिर 2 बजे और बाद में 3 बजे का समय बताया। जब उन्हें यह साफ हो गया कि कांग्रेस उम्मीदवार को 30 से ज्यादा वोट मिल चुके हैं और उनकी रणनीति सफल नहीं हो रही, तो वे पीछे हट गए। बी टीम होने का लगाया आरोप दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि इनेलो ने अंत में साढ़े तीन बजे प्रेस कांफ्रेंस की, जबकि वोटिंग शाम 4 बजे तक चल रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इनेलो भाजपा की बी टीम की तरह काम कर रही है और चुनाव मेंइनेलो पर भी साधा निशाना दीपेंद्र हुड्डा ने इनेलो पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा ने एक सप्ताह पहले ही इनेलो को साफ कहा था कि अगर वे भाजपा और कांग्रेस दोनों के खिलाफ हैं तो सार्वजनिक रूप से घोषणा करें कि वे वोट नहीं डालेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इनेलो ने बार-बार प्रेस कांफ्रेंस का समय बदला। पहले अगले दिन, फिर वोटिंग के दिन 12 बजे, फिर 2 बजे और बाद में 3 बजे का समय बताया। जब उन्हें यह साफ हो गया कि कांग्रेस उम्मीदवार को 30 से ज्यादा वोट मिल चुके हैं और उनकी रणनीति सफल नहीं हो रही, तो वे पीछे हट गए। बी टीम होने का लगाया आरोप दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि इनेलो ने अंत में साढ़े तीन बजे प्रेस कांफ्रेंस की, जबकि वोटिंग शाम 4 बजे तक चल रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इनेलो भाजपा की बी टीम की तरह काम कर रही है।

श्रीराम कथामृत कार्यक्रम 1 से 5 अप्रैल तक

रादौर. दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से शहर की शिवमंदिर धर्मशाला में 1 से 5 अप्रैल तक श्रीराम कथामृत कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कथावाचक साध्वी सुश्री दिवेशा भारती श्रीराम कथा का गुणगान करेंगी। यह जानकारी देते हुए आयोजन समिति के सदस्य डॉ. ऋषिपाल सैनी ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सभी को निमंत्रण दिया गया है। कार्यक्रम में शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक कथा का आयोजन होगा। जिसके उपरांत प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए भंडारा आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर कथा का आनंद उठाये और पुण्य के भागी बने।

मुनीम एसोसिएशन अनाज मंडी की विशेष बैठक आयोजित

लाडवा. जय ज्वाला जी सेवा मंडल लाडवा एवं मुनीम एसोसिएशन अनाज मंडी लाडवा की एक विशेष बैठक लाडवा मंडी में हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य 21 मार्च को लगने वाले रक्तदान शिविर के बारे में चर्चा करना तथा रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को ड्यूटियां लगाई गई। यह जानकारी मंडल के महासचिव रोहित ड्क्षसगला ने दी। उन्होंने बताया कि 21 मार्च दिन शनिवार को लाडवा की अनाज मंडी मंडी धर्मशाला के प्रथम तल में स्व.योगेश शर्मा की स्मृति में रक्तदान शिविर लगाया जाएगा।

बोले किसान-पहले बाइपास की स्थिति स्पष्ट करें, फिर जमीन देने पर होगा फैसला, प्लानिंग को भी बता दिया फेल

एचएसवीपी सेक्टरों पर किसानों की आपत्तियां, बाइपास और जमीन के रेट पर उठे बड़े सवाल

पंचकूला ऑब्जर्वर

घरौंडा. घरौंडा में प्रस्तावित एचएसवीपी सेक्टरों को लेकर किसानों ने ऑब्जेक्शन दर्ज कराने शुरू कर दिए हैं। रेस्ट हाउस में आयोजित मीटिंग में किसानों ने सेक्टर-9 से निकलने वाले कथित बाइपास, जमीन के रेट, पहले से बने मकानों, ट्यूबवेल और सेक्टर की लंबाई-चौड़ाई को लेकर कई सवाल उठाए। किसानों का कहना है कि जब तक बाइपास और अधिग्रहण की स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक वे जमीन देने को लेकर असमंजस में हैं।

बुधवार को लेकर आयोजित मीटिंग में किसानों ने सबसे ज्यादा आपत्ति बाइपास को लेकर जताई। किसान गोल्डी, जानपाल, राकेश कुमार, अंकित, सत्यवान व अन्य ने कहा कि अभी तक यह साफ नहीं है कि बाइपास की जमीन पहले पीडब्ल्यूडी इक्वायर करेगा या एचएसवीपी जमीन लेकर बाद में पीडब्ल्यूडी को देगा। किसानों के अनुसार

अगर पहले पीडब्ल्यूडी जमीन अधिग्रहित करता है तो बाइपास के आसपास जमीन के दाम बढ़ जाएंगे, जिससे किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पाएगा।किसानों ने जमीन के मुआवजे को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि सरकार की ओर से जो तीन गुणा रेट देने की बात सामने आ रही है, वह वर्तमान मार्केट रेट के हिसाब से बहुत कम है।

किसानों के अनुसार कई जगह जमीन की कीमत 5 से 10 करोड़ रुपए प्रति एकड़ तक है। ऐसे में तीन गुणा क्लेक्टर रेट मिलने पर उन्हें भारी नुकसान होगा।

मीटिंग में कुछ किसानों ने सेक्टर की प्लानिंग को ही गलत बताया। किसानों का कहना है कि सेक्टर को टुकड़ों में बांटकर तैयार किया जा रहा है, जो किसी भी मानक के अनुरूप नहीं है। किसानों ने कहा कि 40 एकड़ का सेक्टर बनाया जा रहा है, जबकि सामान्य तौर पर सेक्टर कम से कम 50 एकड़ में होता है। उन्होंने बताया कि कहीं 15-20 एकड़ का टुकड़ा है तो कहीं एक-दो किलोमीटर दूर उसका दूसरा हिस्सा दिखाया गया है। कुछ जगहों पर आधा एकड़ चौड़ाई और चार-पांच एकड़ लंबाई रखी गई है, जो व्यावहारिक नहीं है।

बाइपास की चौड़ाई और ग्रीन बेल्ट पर भी सवाल

किसानों ने बताया कि सेक्टर-8 और 9 के साथ जो बाइपास प्रस्तावित है, वह 60 मीटर चौड़ा है और उसके साथ 30 मीटर की ग्रीन बेल्ट भी दिखाई गई है। इसके साथ ही दो एकड़ की चौड़ाई और 15-20 एकड़ की लंबाई का हिस्सा भी जोड़ा गया है, जिसे भविष्य में कमर्शियल एरिया बताया जा रहा है। किसानों का कहना है कि इस तरह की प्लानिंग से सेक्टर कम और गोदाम जैसा क्षेत्र ज्यादा नजर आता है। किसानों ने यह भी सवाल उठाया कि जहां सेक्टर बनाए जा रहे हैं, वहां पहले से कई कॉलोनियां और मकान बने हुए हैं। ऐसे में इन मकानों का क्या होगा, इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। इससे लोगों में असमंजस बना हुआ है। मीटिंग में किसानों ने ट्यूबवेल कनेक्शन का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि यदि जमीन अधिग्रहित होती है तो ट्यूबवेल को शिफ्ट किया जाएगा या नहीं, इस पर कोई स्पष्ट नीति सामने नहीं आई है। इसको लेकर भी किसानों ने अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। जिन किसानों की जमीन जीटी रोड के किनारे है और रकबा ग्रामीण क्षेत्र में आता है, उन्होंने भी अपनी चिंता जताई। उनका कहना है कि उन्हें शहर का क्लेक्टर रेट मिलेगा या ग्रामीण, यह अभी स्पष्ट नहीं है। किसानों के अनुसार अगर उनकी जमीन की मार्केट वैल्यू करीब 7 करोड़ रुपए है, तो वे साढ़े तीन करोड़ रुपए में जमीन नहीं दे सकते।

तनीषा मुखर्जी और 'कारा' की प्यारी केमिस्ट्री

चमक-दमक भरी दुनिया से दूर, कभी-कभी सची खुशी बेहद साधारण पलों में मिलती है और यही खूबसूरत एहसास हाल ही में अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने अपने प्रशंसकों के साथ साझा किया। अपने प्यारे पालतू कुत्ते कारा के साथ बिताए गए कुछ शांत और सुकून भरे लम्हों की झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जो देखते ही देखते दिलों को छू गई। इन तस्वीरों में तनीषा का सहज अंदाज़, उनकी मुस्कान और कारा के साथ उनका गहरा जुड़ाव, एक ऐसी कहानी बयां करता है जिसमें ग्लैमर से यादा मायने रखता है अपनापन और सचा साथ। कारा, जिसे प्यार से सुपरगर्ल कहा जाता है, तनीषा के हर कदम पर उनके साथ नजर आती है, जैसे उनकी खुशी का अहम हिस्सा हो। दोनों के बीच की बॉन्डिंग इतनी सची और गर्मजोशी से भरी है कि तस्वीरें खुद-ब-खुद बहुत कुछ कह जाती हैं। तनीषा का यह अंदाज़ उनके जिंदादिल और जमीन से जुड़े व्यक्तित्व को और मजबूत करता है। अक्सर अपने ऑफ-स्क्रीन पलों को साझा करने वाली तनीषा के लिए जानवर सिर्फ पालतू नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा हैं।

कारा के साथ उनकी यह सैर न केवल उनके कोमल पक्ष को उजागर करती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि जिंदगी की असली खुशियां भागदौड़ में नहीं, बल्कि ठहरकर महसूस करने में छिपी होती हैं। फैंस ने भी इस पोस्ट को खूब सराहा। दिल वाले इमोजी और प्यार भरे कमेंट्स से उनका कमेंट सेक्शन भर गया। तनीषा और

कारा का यह प्यारा साथ एक खूबसूरत संदेश देता ह कि बिना शर्त प्यार, सचा साथ और जिंदगी के छोटे पलों की अहमियत ही असली खुशियों की कुंजी है।

गुड़ी पड़वा सिर्फ एक त्योहार नहीं, परिवार से जुड़ाव का भी प्रतीक : शिल्पा शिदें

भारत त्योहारों का देश है, जहां हर पर्व अपने साथ खुशियां, उम्मीदें और नई शुरुआत का संदेश लेकर आता है। इन्हीं खास त्योहारों में से एक है गुड़ी पड़वा, जिसे खास तौर पर महाराष्ट्र में बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार हिंदू नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है और लोगों के जीवन में नई ऊर्जा, खुशहाली और सकारात्मकता लेकर आता है। इस दिन घरों के बाहर गुड़ी लगाई जाती है, और पारंपरिक व्यंजन तैयार किए जाते हैं। परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर इस दिन को मनाने का अपना अलग ही आनंद होता है। आम लोगों की तरह ही टीवी इंडस्ट्री के कलाकार भी इस त्योहार को पूरे दिल से मनाते हैं और अपनी यादों को ताजा करते हैं। इसी कड़ी में एंड टीवी के लोकप्रिय कलाकार अमिताभ घाणेकर और शिल्पा शिंदे ने गुड़ी पड़वा से जुड़ी अपनी खास यादें और इस साल के सेलिब्रेशन प्लान्स साझा किए हैं। दोनों कलाकारों ने बताया कि यह त्योहार उनके लिए सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि भावनाओं और परिवार से जुड़ाव का प्रतीक है। शिल्पा शिंदे ने भी गुड़ी पड़वा को अपने दिल के बेहद करीब बताया। उन्होंने कहा, यह त्योहार मुझे अपने बचपन और घर की याद दिलाता है। मुझे याद है कि कैसे मेरे मोहल्ले में हर घर के बाहर सुंदर और रंगीन गुड़ी लगाई जाती थी, जिसे देखना बहुत अछा लगता था।

मेरी मां सुबह जल्दी उठकर त्योहार के लिए खास व्यंजन बनाती थीं और पूरे घर में उनकी खुशबू फैल जाती थी। इस दिन हम सब पारंपरिक कपड़े पहनते हैं, रिश्तेदारों से मिलते हैं और नए साल की शुभकामनाएं देते हैं। आज भी मैं इस त्योहार को सादगी और प्यार के साथ मनाना पसंद करती हूं। मेरे लिए यह दिन परिवार के साथ समय बिताने, परंपराओं को निभाने और जीवन में सकारात्मकता लाने का अवसर होता है।

वहीं, अमिताभ घाणेकर ने अपने बचपन की यादों को साझा करते हुए बताया कि गुड़ी पड़वा उनके लिए हमेशा से परिवार और परंपराओं से जुड़ा रहा है। उन्होंने कहा, बचपन में मैं इस त्योहार को बड़े उत्साह से मनाता था। घर के बाहर गुड़ी लगाना मेरे लिए सबसे खास पल होता था, जो जीत, समृद्धि और अछे भविष्य का प्रतीक माना जाता है। मेरी मां इस दिन खास पकवान जैसे पूरन पोली, बटाटा भाजी और श्रीखंड बनाती थीं, जिनका स्वाद आज भी मुझे याद है। पूरा परिवार एक साथ बैठकर खाना खाता था, नए कपड़े पहनता था और पड़ोसियों से मिलकर त्योहार की खुशियां बांटता था। उन्होंने कहा, इस साल भी मैं अपने परिवार के साथ इस दिन को खास बनाने की योजना बना रहा हूं और साथ ही अपने शूटिंग सेट पर सह-कलाकारों के साथ भी इस खुशी को साझा करूंगा।

कोक स्टूडियो भारत सीजन 4 फिर रचेगा म्यूज़िक का जादू

भारत के लोकप्रिय म्यूज़िक प्लेटफॉर्म कोक स्टूडियो भारत ने अपने चौथे सीजन का ऐलान करते हुए कलाकारों की बहुप्रतीक्षित 'द लिस्ट' जारी कर दी है। तीन सफल सीजन के बाद लौट रहा यह मंच इस बार और अधिक विविधता, गहराई और प्रयोग के साथ सामने आ रहा है। सीजन 4 में रेखा भारद्वाज, आदित्य रिखारी, कुटले खान, फहीम अब्दुल्ला, अर्सलान निज़ामी, मामे खान और मोहम्मद फैज़ जैसे कई चर्चित कलाकार शामिल हैं।

यह लाइन-अप देश के अलग-अलग हिस्सों की संगीत विरासत को एक मंच पर लाने का वादा करता है। इस बार का सीजन भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियों—भक्ति, विरह, प्रेम और स्मृतियों—को नए अंदाज़ में पेश करेगा। राजस्थान का लोक संगीत, कश्मीर की दास्तानगोई, बनारस की सांस्कृतिक झलक और पंजाब की सूफी परंपरा जैसे तत्व इसमें खास आकर्षण होंगे। कलाकारों के अनुसार, कोक स्टूडियो भारत एक ऐसा मंच है जो परंपरा और आधुनिकता के बीच पुल बनाता है। यहां जुगलबंदी के ज़रिए संगीत को नया आयाम मिलता है, जहां व्यक्तिगत भावनाएं भव्य ध्वनि में बदल जाती हैं। डिजिटल-फर्स्ट दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार यह सीजन प्रयोग और अनुभव का संतुलित मिश्रण पेश करेगा। गानों का खुलासा धीरे-धीरे किया जाएगा, जिससे दर्शकों की उत्सुकता बनी रहे। सीजन 4 के साथ कोक स्टूडियो भारत एक बार फिर भारतीय संगीत को राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर नई पहचान देने के लिए तैयार है।

सरके चुनर विवाद पर नोरा फतेही ने तोड़ी चुप्पी, कहा- बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था, ये इतना भद्दा है

बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही इन दिनों पैन इंडिया फिल्म केडी- द डेविल के गाने सरके चुनर तेरी सरके को लेकर विवादों का सामना कर रही हैं। इस गाने में उनके साथ संजय दत्त नजर आ रहे हैं। गाना रिलीज के बाद से सुर्खियों में छाया हुआ है, जिसे बाद में बढ़ते विरोध के बाद मेकर्स ने यूट्यूब से हटा दिया। दूसरी तरफ, गाने के बोल और डांस स्टेप्स को लोग अश्लील करार दे रहे हैं और विरोध दर्ज करा रहे हैं। इसी बीच एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया कि उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह इतना भद्दा है। नोरा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह कहती दिख रही है, तीन साल पहले मैंने इस गाने को कन्नड़ भाषा में शूट किया था। मैंने यह गाना इसलिए किया क्योंकि यह एक बड़ी फिल्म थी और इसमें बड़े अभिनेता संजय दत्त हैं। मुझे फिल्म मेकर्स पर भी काफी भरोसा था, इसलिए मैं इस गाने को करने के लिए राजी हो गई। जब मैंने यह गाना शूट किया तो मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह इतना भद्दा है, लेकिन जब मैंने इसको हिंदी में सुना तो मुझे समझ में आया कि यह बेहद भद्दा है। इस वीडियो को साझा करते हुए नोरा ने कैप्शन में लिखा, मैं बिल्कुल नहीं चाहती कि कोई यह सोचे कि मैं इस चीज का समर्थन करती हूं। जो भी विरोध हुआ है, उसके लिए मैं धन्यवाद देना चाहती हूं, क्योंकि इसी दबाव की वजह से फिल्म मेकर्स ने आखिरकार उस गाने को हटा दिया।

उन्होंने आगे लिखा, मैं सभी से यह भी अनुरोध करती हूं कि कृपया उस गाने को आगे शेयर करना बंद करें, क्योंकि ऐसा करके आप उसे बेवजह और प्लेटफॉर्म दे रहे हैं। दूसरी तरफ, मैं यह भी देख रही हूं कि कुछ लोग इस मौके का इस्तेमाल मेरे कैरेक्टर पर सवाल उठाने के लिए कर रहे हैं, जो बेहद

दुर्भाग्यपूर्ण है। नोरा ने आखिर में लिखा, खैर, मैं और मेरी टीम आगे से ऐसे मामलों में और यादा सावधानी बरतेंगे। लेकिन, मैं फिर से साफ करना चाहती हूं कि मुझे उस हिंदी गाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, मैंने उस पर परफॉर्म नहीं किया और मेरी इमेज के साथ उसे इस्तेमाल करने की कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी।

देहरादून की वादियों में गूंजेगा प्यार और डर का संगम- लव ऐंड घोस्ट का धमाकेदार आगाज़

उत्तराखंड के खूबसूरत शहर देहरादून की हसीन वादियों, घने जंगलों और रहस्यमयी पहाड़ी माहौल के बीच बुनी गई फिल्म लव ऐंड घोस्ट सिर्फ एक हॉरर कहानी नहीं, बल्कि प्यार, सस्पेंस और अलौकिक शक्तियों का दिलचस्प संगम बनकर उभर रही है। प्राकृतिक सुंदरता और डरावने सन्नाटे के इस अनोखे मेल ने फिल्म को एक अलग ही विजुअल और इमोशनल अपील दी है, जो दर्शकों को पहली झलक में ही अपनी ओर खींच लेती है।

मुंबई के इंपा थिएटर में लॉन्च हुए इसके ट्रेलर ने साफ कर दिया है कि निर्देशक श्रीपती मिश्रा ने इस फिल्म के जरिए पारंपरिक हॉरर शैली में एक नया ट्विस्ट देने की कोशिश की है। वहीं प्रोड्यूसर गौरव मिश्रा के विज़न और मजबूत प्रोडक्शन ने इसे और भव्य बनाया है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सुनील पाल ने फिल्म की टीम की सराहना करते हुए इसे एक फ्रेश और दिलचस्प प्रयास बताया। फिल्म में अजीत पंडित, मधुलग्ना दास, उर्मिला शर्मा, एहसान खान, मोहित पांडे, कौशल शर्मा और कुलदीप असवल जैसे कलाकारों ने अपने किरदारों

में जान डालने के लिए कठिन परिस्थितियों में शूटिंग की है। कभी पहाड़ों की ऊँचाइयों पर, तो कभी पानी के अंदर। इपी शिव नारायण रावत, चंद्रमोहन पांडेय, संगीतकार केशव आनंद, गीतकार वर्षा सक्सेना, लाइन प्रोड्यूसर संजय मैथानी, डीओपी उमेश चंद राय, एक्शन डायरेक्टर इरफान खान की टीम ने फिल्म को एक अलग ही रूप दिया है।

जब फिल्म अभिनेत्री संदीपा धर ने लोकल बाज़ार को ही बना दिया फैशन रनवे

मुंबई जहां आमतौर पर लोकल बाज़ार भीड़, मोलभाव और रोज़मर्रा की हलचल के लिए जाना जाता है, वहीं संदीपाधर ने उसी जगह को एक शानदार फैशन स्टेटमेंट में बदल दिया। उनके आत्मविश्वास भरे अंदाज़ और स्टाइल ने साधारण गलियों को मानो ग्लैमरस रनवे का रूप दे दिया। रंग-बिरंगे कपड़ों की दुकानों, चहल-पहल भरे माहौल और लोगों की उत्सुक निगाहों के बीच संदीपाधर ने जिस तरह से अपना रैंप वॉक पेश किया, वह देखने लायक था। उनका हर कदम न सिर्फ फैशन को बयां कर रहा था, बल्कि यह भी दिखा रहा था कि स्टाइल के लिए किसी बड़े मंच की ज़रूरत नहीं होती। आप जहां हैं, वही आपका रनवे बन सकता है। गौरतलब है कि उनकी बॉडी लैंग्वेज, एक्सप्रेशन और कॉन्फिडेंस ने पूरे माहौल को एनर्जी से भर दिया। ऐसे में आम लोग भी इस अनोखे पल का हिस्सा बन गए, जैसे अचानक उन्हें किसी फैशन शो का लाइव अनुभव मिल गया हो। फिलहाल संदीपा धर का यह अंदाज़ एक मजबूत संदेश देता है कि फैशन सिर्फ बड़े शहरों या हाई-प्रोफाइल इवेंट्स तक सीमित नहीं है। असली स्टाइल वही है जो हर जगह, हर परिस्थिति में खुद को आत्मविश्वास के साथ पेश कर सके।

पेट से जुड़े रोगों के लिए खा रहे हैं अजवाइन, सेवन की यह गलती बिगाड़ सकती है पाचन

गलत खान-पान और शारीरिक गतिविधि के कम होने के कारण आज के समय में पेट से जुड़े विकार सबसे ज्यादा परेशान करते हैं। भूख का कम लगना या खाने के बाद पेट फूलना जैसी परेशानियां होने लगती हैं। पहले तो इन परेशानियों को छोटा समझकर नजर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन यहीं छोटी-छोटी दिक्कतें सेहत को बुरी तरीके से प्रभावित करती हैं। कई लोग रोग पाचन से जुड़ी परेशानियों से बचने के लिए रोजाना अजवाइन खाते हैं, लेकिन यह नहीं जानते हैं कि कैसे और कितनी मात्रा में अजवाइन खाना लाभकारी होता है। अजवाइन में थाइमोल नाम का यौगिक पाया जाता है, जो पाचन से जुड़ी परेशानियों में राहत देता है और इसकी गर्म तासीर सर्दी और खांसी से भी बचाती हैं। हालांकि अजवाइन का सेवन करने से पहले उसके सेवन का तरीका भी जान लेना जरूरी है। कुछ लोग अजवाइन को कच्चा ही खा लेते हैं और किसी भी समय खाली पेट या फिर रात के समय इसका सेवन बेधड़क करते हैं लेकिन यह तरीका बिल्कुल गलत है। अजवाइन को खाने से पहले हल्का भून लेना चाहिए। अजवाइन को इतना भूनना चाहिए कि उसके रंग में किसी तरह का परिवर्तन न हो लेकिन उसमें से हल्की-हल्की सुगंध आने लगे। ऐसे में आधे से कम चम्मच का सेवन करना चाहिए और सेवन भी हमेशा गुनगुने पानी के साथ करना करना चाहिए। गुनगुने पानी के साथ सेवन से अजवाइन के गुण बढ़ जाते हैं और पाचन तेजी से ठीक होता है। इससे पेट की जठराग्नि तेज होती है और भूख भी समय पर लगती है। अब सवाल है कि किस समय अजवाइन का सेवन करना लाभकारी है। कुछ लोग सुबह के वक्त खाली पेट अजवाइन का पानी या सूखी अजवाइन का सेवन करते हैं, लेकिन यह तरीका बिल्कुल गलत है। अजवाइन को हमेशा भोजन के बाद ही लेना चाहिए। खाना खाने के बाद तकरीबन आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से इसका सेवन किया जा सकता है। ध्यान रखने वाली बात यह भी है कि अजवाइन का सेवन तब ही करें जब पाचन में परेशानी हो, बिना परेशानी के उसे अपने दिनचर्या का हिस्सा न बनाएं। गर्म

तासीर होने की वजह से यह पेट में जलन कर सकती है। इसलिए जब गैस और पेट फूलने की परेशानी हो, तभी इसका सेवन करें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com